ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

डी.ओ. संख्या: यूजीसी/आईकेएस/जीबीएम/2025/ **17 भाद्रपद, 1947 / 08 सितम्बर, 2025**

विषय: "ज्ञान भारतम्" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत "हस्तलिपि धरोहर के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत का पुनरुद्धार" विषय पर माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ 12 सितम्बर, 2025 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित विशेष-सत्र का सीधा प्रसारण।

महोदया/ महोदय,

मुझे आपको यह सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 12 सितम्बर, 2025 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित "ज्ञान भारतम्" अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करेंगे, जिसका विषय "हस्तलिपि धरोहर के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत का पुनरुद्धार" है।

विश्व की सबसे समृद्ध हस्तलिपि धरोहरों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है, जहाँ लगभग एक करोड़ प्राचीन हस्तलिपियाँ विद्यमान हैं। ये हस्तलिपियाँ दर्शन, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, कला, अनुष्ठान तथा संस्कृति जैसे विविध विषयों पर आधारित हैं और मंदिरों, मठों, जैन भंडारों, अभिलेखागारों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में संरक्षित हैं। ये हस्तलिपियाँ केवल ग्रंथ मात्र नहीं हैं, अपितु भारतीय ज्ञान परंपरा के जीवंत भंडार हैं, जो हमारे भारतीय सभ्यता की निरंतरता को मूर्त रूप देती हैं। तथापि, इनका एक विशाल भाग अब तक या तो अप्रकाशित है या अनुवादित नहीं है, अथवा जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

ज्ञान भारतम् मिशन (जीबीएम), जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 में की गई थी, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा 2003 में प्रारम्भ किए गए राष्ट्रीय हस्तलिपि मिशन के दृष्टि को पुनर्जीवित और विस्तारित करता है। जीबीएम का उद्देश्य इस अमूल्य धरोहर का संरक्षण, संवर्धन, डिजिटलीकरण तथा प्रसारण करना है, जिसके लिए अत्याधुनिक तकनीकों जैसे कि ए.आई-आधारित हस्तलिखित पाठ पहचान (HTR), क्लाउड-आधारित डिजिटल आर्काइविंग तथा उन्नत संरक्षण विधियों का उपयोग किया जाएगा। इसका एक अन्य उद्देश्य अनुसंधान, अनुवाद, प्रशिक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण करना है। साथ ही, यह मिशन हस्तलिपियों के ज्ञान को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में समाहित करने तथा नई पीढ़ी के विद्वानों को तैयार करने की दिशा में भी कार्य करेगा।

अत:, यह मिशन केवल संरक्षण के बारे में नहीं है, बल्कि भारत को ज्ञान प्रणालियों में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने के बारे में है, साथ ही, हमारे छात्रों और शोधकर्ताओं को नवाचार के तरीकों से ज्ञान के प्रामाणिक स्रोतों से जुड़ने में सक्षम बनाना है।

इस संदर्भ में, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों से निवेदन है कि वे अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि वे उपर्युक्त **विशेष सत्र का सीधा प्रसारण** देख सकें। वेबकास्ट लिंक आपसे शीघ्र ही साझा किया जाएगा। संस्थानों से अपेक्षा है कि वे अपने परिसर में सामूहिक रूप से प्रसारण देखने हेतु आवश्यक प्रबंध करें, जिससे इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार शैक्षणिक समुदाय में हो सके।

आपकी सक्रिय भागीदारी से न केवल हमारी बौद्धिक धरोहर को सम्मान मिलेगा बल्कि इस परिवर्तनकारी मिशन को आगे बढ़ाने के राष्ट्रीय संकल्प को भी मजबूती मिलेगी।

सादर,

भवदीय

(मनिष जोशी)

सेवा में,

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति / सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

D.O. No. UGC/IKS/GBM/2025/ **17 भाद्रपद, 1947 / 08th September, 2025**

Subject:- Live Webcast of the Special Session with the Hon'ble Prime Minister of India during the International Conference on Gyan Bharatam on the theme "Reclaiming India's Knowledge Legacy through Manuscript Heritage" on 12 September 2025 at Bharat Mandapam, New Delhi.

महोदया/ महोदय,

It gives me immense pleasure to inform you that the Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi Ji, will be addressing in a Special Session of the International Conference on Gyan Bharatam on the theme "Reclaiming India's Knowledge Legacy through Manuscript Heritage" on 12 September 2025 at Bharat Mandapam, New Delhi.

India possesses one of the richest manuscript heritages in the world, with nearly ten million ancient manuscripts across disciplines—philosophy, science, medicine, mathematics, arts, rituals, and Sanskriti—preserved in temples, monasteries, Jaina bhandaras, archives, libraries, and private collections. These manuscripts are not mere texts but living repositories of *Bhāratīya Jñāna Paramparā*, embodying the civilizational continuity of our nation. Yet, a vast portion remains unpublished, untranslated, or in fragile condition.

The *Gyana Bharatam Mission (GBM)*, announced in the Union Budget 2025–26, revives and expands the vision of the National Mission for Manuscripts launched in 2003 by former Prime Minister Late Shri Atal Bihari Vajpayee Ji. GBM seeks to preserve, conserve, digitize, and disseminate this priceless heritage using cutting-edge technologies such as AI-based Handwritten Text Recognition (HTR), cloud-based digital archiving, and advanced conservation methods. It further aims to build capacity through research, translation, training, and international collaborations, while integrating manuscript knowledge into higher education curricula and nurturing a new generation of scholars.

The Mission, thus, is not merely about preservation but about positioning India as a global leader in knowledge systems while enabling our students and researchers to engage with authentic sources of wisdom in innovative ways.

In this context, all Higher Education Institutions are hereby requested to ensure the active participation of their faculty members, students, and stakeholders by viewing the **LIVE webcast of the Special Session,** as mentioned above. The webcast link shall be shared with you in due course.

Institutions may kindly make appropriate arrangements to facilitate collective viewing on their campuses so that the significance of this historic occasion is widely disseminated among the academic community.

Your active engagement will not only honour our intellectual heritage but also strengthen the national resolve to carry forward this transformative mission.

With regards,

भवदीय,

(मनिष जोशी)

सेवा में
सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति / सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य